



30 June, 2023

भारत का हरित ऋण कार्यक्रम (GCP)

संदर्भ: पर्यावरण मंत्रालय 'ग्रीन क्रेडिट' के माध्यम से वनीकरण, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और वायु प्रदूषण को संबोधित करने जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए 'ग्रीन क्रेडिट योजना' को प्रस्तावित किया है।

जीसीपी के विषय में

- स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए एक राष्ट्रीय ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम प्रस्तावित है।
- यह ग्रीन क्रेडिट के लिए एक प्रतिस्पर्धी बाजार-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करता है।
- व्यक्ति, उद्योग, एफपीओ (FPO), यूएलबी (ULB), ग्राम पंचायतें और निजी क्षेत्र पर्यावरण-अनुकूल कार्यों के लिए ग्रीन क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं।
- व्यापार योग्य ग्रीन क्रेडिट घरेलू बाजार के मंच पर उपलब्ध होंगे।
- LiFE (पर्यावरण के लिये जीवनशैली) कार्यक्रम सिद्धांत के माध्यम से स्थायी जीवन शैली को बढ़ावा देता है।
- यह पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के लिए व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करता है।
- इस योजना में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से परे कई प्रकार की कार्रवाइयां शामिल हैं।
- वृक्षारोपण, जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि और अपशिष्ट प्रबंधन सहित आठ ऋण क्षेत्र को उत्पन्न करने के लिए पात्र हैं।
- अधिसूचना 60 दिनों के लिए सार्वजनिक टिप्पणी के लिए खुली है।
- सरकार का लक्ष्य भविष्य को प्रोत्साहन नियमों के माध्यम से ग्रीन क्रेडिट की मांग उत्पन्न करना है।
- इस योजना का प्रशासन भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (ICFRE) के अधीन होगा, जो पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के तहत संचालित एक स्वायत्त संगठन/सरकारी एजेंसी है।

जीसीपी के उद्देश्य

- स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों और व्यक्तिगत/सामुदायिक व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए एक बाजार-आधारित तंत्र बनाना।
- निजी क्षेत्र और अन्य संस्थाओं को अन्य कानूनी ढांचे से अपने मौजूदा दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- पर्यावरणीय कार्यों को संचालित करने और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए आपूर्ति और मांग प्रणाली स्थापित करना।

वे क्षेत्र जो ग्रीन क्रेडिट उत्पन्न करने के लिए अर्हता प्राप्त कर सकते हैं

- वृक्षारोपण-आधारित ग्रीन क्रेडिट: वृक्षारोपण और संबंधित गतिविधियों के माध्यम से हरित आवरण के वृद्धि के लिए बढ़ावा देना।
- जल-आधारित ग्रीन क्रेडिट: जल संरक्षण, संचयन और कुशल उपयोग प्रथाओं को प्रोत्साहित करना।
- सतत कृषि-आधारित ग्रीन क्रेडिट: प्राकृतिक और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों और भूमि बहाली को बढ़ावा देना।
- अपशिष्ट प्रबंधन-आधारित ग्रीन क्रेडिट: टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को प्रोत्साहित करना।
- वायु प्रदूषण कटौती-आधारित ग्रीन क्रेडिट: वायु प्रदूषण और अन्य प्रदूषण-निवारण गतिविधियों को कम करने के उपायों को बढ़ावा देना।
- मैंग्रोव संरक्षण और पुनर्स्थापन-आधारित ग्रीन क्रेडिट: मैंग्रोव के संरक्षण और पुनर्स्थापन को प्रोत्साहित करना।
- इकोमार्क-आधारित ग्रीन क्रेडिट: निर्माताओं को पर्यावरण-अनुकूल वस्तुओं और सेवाओं के लिए इको-मार्क लेबल प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- टिकाऊ भवन और बुनियादी ढांचे पर आधारित ग्रीन क्रेडिट: टिकाऊ प्रौद्योगिकियों और सामग्रियों का उपयोग करके निर्माण को बढ़ावा देना।

Face to Face Centres





30 June, 2023

यूक्लिड स्पेस टेलीस्कोप

संदर्भ: यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) अरबों आकाशगंगाओं का व्यापक सर्वेक्षण करने के लिए 1 जुलाई को केप कैनावेरल से यूक्लिड स्पेस टेलीस्कोप लॉन्च करने की तैयारी हो रही है।

- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का यूक्लिड अंतरिक्ष दूरबीन 1 जुलाई, 2023 को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट से लॉन्च होगा।
- इसे केप कैनावेरल, फ्लोरिडा से सुबह 11:11 बजे EDT (1511 GMT) पर लॉन्च किया जाएगा।
- यूक्लिड का प्राथमिक उद्देश्य डार्क मैटर और डार्क एनर्जी का अध्ययन करना है, जो ब्रह्मांड का लगभग 95% भाग बनाते हैं।
- डार्क मैटर और डार्क एनर्जी का प्रत्यक्ष तौर पर पता नहीं लगाया जा सकता है, लेकिन गुरुत्वाकर्षण की विकृति पर उनके प्रभाव को देखा जा सकता है।
- यूक्लिड अवलोकन के लिए व्यापक क्षेत्र प्रदान करके गुरुत्वाकर्षण के विकृति प्रभावों के खोज का अत्यधिक विस्तार करेगा।

यूक्लिड क्या है?

- यूक्लिड अंतरिक्ष दूरबीन का नाम प्राचीन यूनानी गणितज्ञ के नाम पर रखा गया है जिन्हें "ज्यामिति के जनक" के रूप में जाना जाता है।
- इसकी ऊंचाई 14.7 फीट (4.5 मीटर) है और इसका व्यास 10.2 फीट (3.1 मीटर) है।
- यूक्लिड दो उपकरणों से सुसज्जित है: आकाशगंगाओं की दूरी और चमक को मापने के लिए एक निकट-अवरक्त कैमरा, और उनके आकार का अध्ययन करने के लिए एक दृश्य-प्रकाश कैमरा लगा है।
- जो भाग यूक्लिड को अलग करता है, वह उसके उपकरणों का देखने का बड़ा क्षेत्र है, जो रात में आकाश के लगभग एक-तिहाई हिस्से को कवर करता है।
- यूक्लिड की नियोजित छह-वर्षीय स्कैनिंग अवधि के दौरान एक अरब से अधिक आकाशगंगाओं को सूचीबद्ध किए जाने की आशा है।
- दूरबीन में 10 अरब साल पहले तक का निरीक्षण करने की क्षमता है, जो ब्रह्मांडीय इतिहास में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।
- यूक्लिड की सीमा जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की तुलना में थोड़ी कम है, जिसने 13 अरब साल से भी पहले की वस्तुओं का अवलोकन किया है।

कार्य का क्षेत्र

- यूक्लिड के डेटा का उपयोग ब्रह्मांड के दो मानचित्र बनाने के लिए किया जाएगा।
- पहला मानचित्र गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग के माध्यम से डार्क मैटर के वितरण को दिखाएगा, जहां पदार्थ द्वारा प्रकाश के मुड़ने से डार्क मैटर की उपस्थिति का पता चलता है।
- गुरुत्वाकर्षण की लेंसिंग तब होती है जब दूर के स्रोतों से प्रकाश अंतरिक्ष-समय के घुमावदार मार्गों से गुजरते समय मुड़ जाता है, जिसके परिणामस्वरूप आवर्धन होता है।
- दूसरा मानचित्र ब्रह्मांड के तेजी से विस्तार और डार्क ऊर्जा की भूमिका का अध्ययन करने के लिए बैरियन ध्वनिक दोलनों का उपयोग करेगा, जो प्रारंभिक ब्रह्मांड में बनाई गई जमी हुई शॉक तरंगें हैं।
- बैरियन ध्वनिक दोलन ब्रह्मांड के गर्म होने पर बनने वाली विशाल आघात तरंगें होती हैं, जो ब्रह्मांडीय वृक्ष के छल्ले के समान छाप छोड़ती हैं।
- इन शॉक तरंगों का अध्ययन करके, वैज्ञानिक ब्रह्मांड की तीव्र वृद्धि और अंतर्निहित कारण, जिसे डार्क एनर्जी माना जाता है, की जांच कर सकते हैं।

Face to Face Centres





30 June, 2023

- यूक्लिड का डेटा ब्रह्मांड की संरचना और विकास के विषय में हमारी समझ को आगे बढ़ाते हुए, डार्क मैटर और डार्क एनर्जी की प्रकृति और व्यवहार में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

डार्क मैटर क्या है?

- डार्क मैटर पदार्थ का एक अदृश्य और रहस्यमय रूप है जो ब्रह्मांड के कुल पदार्थ का लगभग 85% होता है।
- यह प्रकाश के साथ प्रत्यक्ष संपर्क नहीं करता है, जिससे यह पूरी तरह से अदृश्य हो जाता है।
- डार्क मैटर की उपस्थिति का अनुमान आसपास की वस्तुओं पर इसके गुरुत्वाकर्षण प्रभावों से लगाया जाता है, जैसे आकाशगंगाओं का अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण मोड़ और तारों की उच्च गति वाली कक्षाएँ।
- डार्क मैटर की सटीक संरचना अज्ञात बनी हुई है।
- एक परिकल्पना दुर्बल रूप से परस्पर क्रिया करने वाले बड़े कणों (WIMPs) के अस्तित्व का प्रस्ताव करती है, काल्पनिक कण जो डार्क मैटर के गुणों के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।
- एक अन्य सिद्धांत से पता चलता है कि डार्क मैटर में एक्सियन शामिल हो सकते हैं, जो एक इलेक्ट्रॉन की तुलना में बहुत छोटे कण होते हैं।
- अनुसंधान और चल रहे अवलोकनों का उद्देश्य डार्क मैटर के आसपास के रहस्यों और ब्रह्मांड की संरचना और विकास को आकार देने में इसकी भूमिका को उजागर करना है।

डार्क एनर्जी क्या है?

- डार्क एनर्जी ब्रह्मांड के तीव्र से विस्तार को संचालित करने वाली रहस्यमय शक्ति है।
- यह ब्रह्मांड का लगभग 68% भाग है।
- डार्क मैटर, जो ब्रह्मांड का 27% भाग बनाता है, जो डार्क एनर्जी से अलग है।
- दृश्य पदार्थ में ब्रह्मांड का केवल 5% भाग शामिल है।
- ब्रह्मांड के विस्तार में डार्क एनर्जी की भूमिका गुरुत्वाकर्षण की हमारी समझ को चुनौती देती है और इसके लिए और अन्वेषण की आवश्यकता है।

भारत के महत्वपूर्ण खनिज

सन्दर्भ : हाल ही में केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री ने "भारत के लिए महत्वपूर्ण खनिज" पर एक रिपोर्ट जारी की है।

- यह रिपोर्ट खान मंत्रालय द्वारा गठित एक विशेषज्ञ टीम द्वारा तैयार की गई थी।
- यह रक्षा, कृषि, ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों की एक व्यापक सूची से संदर्भित है।
- भारत महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के लिए खनिज सुरक्षा साझेदारी (MSP) का भागीदार बन गया है।
- इस रिपोर्ट में 30 महत्वपूर्ण खनिजों की पहचान की गई है, और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) इन्हीं खनिजों की खोज पर केंद्रित है।
- मंत्रालय द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों की सूची की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी।
- यह सूची खनन क्षेत्र में नीति निर्माण, रणनीतिक योजना और निवेश निर्णयों का मार्गदर्शन करेगी।
- यह "नेट जीरो" लक्ष्य प्राप्त करने और एक मजबूत एवं लचीला खनिज क्षेत्र बनाने के भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

Face to Face Centres





30 June, 2023

महत्वपूर्ण खनिज क्या हैं ?

- विभिन्न उद्योगों और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खनिज आवश्यक हैं।
- वर्तमान समय में महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति में कमी की संभावना है और अर्थव्यवस्था पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- यद्यपि यह जटिल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर हैं, जो केवल विशिष्ट निष्कर्षण और प्रसंस्करण देशों में ही केंद्रित हैं।
- विभिन्न देशों में महत्वपूर्ण खनिजों की सघनता से आपूर्ति जोखिम बढ़ जाता है।
- ये खनिज उन्नत प्रौद्योगिकियों और रक्षा के लिए दुर्लभ, किन्तु मूल्यवान और महत्वपूर्ण तत्व हैं।
- इनका उपयोग दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, कृषि और रक्षा जैसे क्षेत्रों में किया जाता है।
- इन खनिज के उदाहरणों में लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, यूरेनियम और प्लेटिनम समूह की धातुएं शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार भारत के महत्वपूर्ण खनिजों की सूची:

1. Antimony	15. Nickel	iv. Neodymium	20. Rhenium
2. Beryllium	16. PGE	v. Promethium	21. Selenium
3. Bismuth	i. Platinum	vi. Samarium	22. Silicon
4. Cadmium	ii. Palladium	vii. Europium	23. Strontium
5. Cobalt	iii. Rhodium	viii. Gadolinium	24. Tantalum
6. Copper	iv. Ruthenium	ix. Terbium	25. Tellurium
7. Gallium	v. Iridium	x. Dysprosium	26. Tin
8. Germanium	vi. Osmium	xi. Holmium	27. Titanium
9. Graphite	17. Phosphorous	xii. Erbium	28. Tungsten
10. Hafnium	18. Potash	xiii. Thulium	29. Vanadium
11. Indium	19. REE	xiv. Ytterbium	30. Zirconium
12. Lithium	i. Lanthanum	xv. Lutetium	
13. Molybdenum	ii. Cerium	xvi. Scandium	
14. Niobium	iii. Praseodymium	xvii. Yttrium	

वैश्विक वन निगरानी

सन्दर्भ : हाल ही में वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट के ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच द्वारा किये गए एक अध्ययन के अनुसार, उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वर्ष 2022 के दौरान वैश्विक वन आवरण में उल्लेखनीय कमी देखी गई।

मुख्य बातें:

- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वर्ष 2022 के दौरान 4.1 मिलियन हेक्टेयर की हानि के साथ वन आवरण में उल्लेखनीय कमी देखी गई।
- यह प्रत्येक मिनट 11 फुटबॉल मैदानों के आकार वाले क्षेत्र के गायब होने के बराबर है।
- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में प्राथमिक वन आवरण की हानि पिछले वर्ष की तुलना में 2022 में 10% अधिक था।
- वर्तमान समय में विश्व अपनी वन-संबंधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने हेतु उचित प्रकार से प्रयासरत नहीं है, जिसमें 2030 तक वनों की कटाई को समाप्त करने का लक्ष्य भी शामिल है।
- वर्ष 2030 के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वैश्विक वनों की कटाई की दरों में वार्षिक रूप से कम से कम 10% की कमी अनिवार्यतः होनी चाहिए।

Face to Face Centres





30 June, 2023

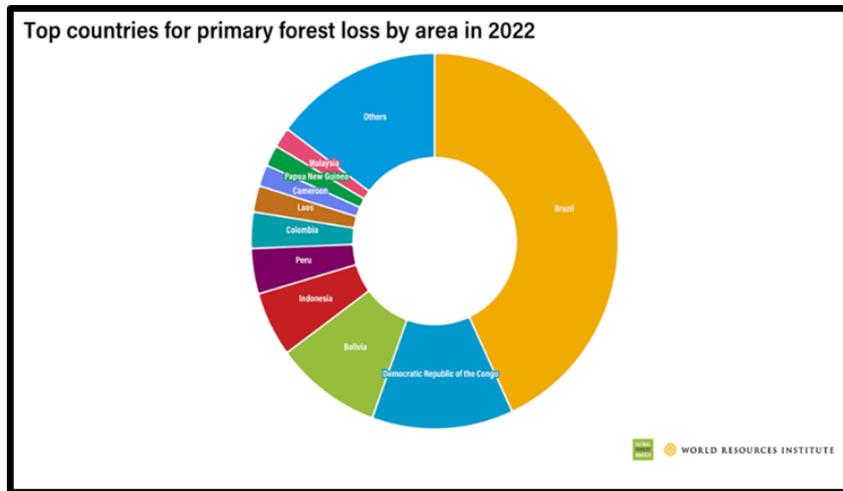
- 2018-2020 बेसलाइन की तुलना में 2022 में वनों की कटाई की दर में 3.1% की कमी के बावजूद, यह स्तर अभी भी आवश्यक तय सीमा से दस लाख हेक्टेयर अधिक है।
- पिछले दो दशकों में वृक्ष आवरण में समग्र परिवर्तन से 100 मिलियन हेक्टेयर का शुद्ध नुकसान हुआ है, जो वन संवर्धन में वैश्विक प्रगति की धीमी गति को दर्शाता है।
- ब्राज़ील, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो और बोलीविया जैसे देशों में वर्ष 2022 में निरंतर वन हानि देखी गई है।

वैश्विक वन निगरानी क्या है ?

- ग्लोबल फ़ॉरेस्ट वॉच (GFW) वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (WRI) का एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म है।
- यह वैश्विक वन आवरण और संबंधित डेटा की निगरानी और विश्लेषण करता है।
- GFW सैटेलाइट चित्रण और विभिन्न संस्थाओं द्वारा एकत्र डेटा का उपयोग करता है।
- यह विश्व भर में वनों की कटाई और वन परिवर्तनों पर नज़र रखता है।
- GFW वन प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है।
- यह मंच वनों की निगरानी के लिए एक बहुआयामी अंतर्संबंधित मानचित्र और उपकरण प्रदान करता है।
- यह सरकारों और संगठनों द्वारा सूचित निर्णय लेने का समर्थन करता है।
- GFW वन संरक्षण से संबंधित मुद्दों का समाधान करने में मदद करता है।

विश्व संसाधन संस्थान

- विश्व संसाधन संस्थान (WRI) एक वैश्विक अनुसंधान और गैर-लाभकारी संगठन है।
- इसकी स्थापना 1982 में मैकआर्थर फाउंडेशन के वित्तपोषण के माध्यम से की गई थी।
- WRI व्यवसाय, अर्थशास्त्र, वित्त और शासन जैसे क्षेत्रों में टिकाऊ प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करता है।
- यह संस्था छह प्रमुख क्षेत्र: भोजन, वन, जल, ऊर्जा, शहर और जलवायु में काम करता है।
- WRI विश्व संसाधन रिपोर्ट का निर्माण करता है, जो तत्सम्बंधी विभिन्न विषयों को कवर करने वाली एक प्रमुख रिपोर्ट श्रृंखला है।
- डब्ल्यूआरआई निगरानी, डेटा विश्लेषण और जोखिम मूल्यांकन के लिए एक वैश्विक पहल को बढ़ावा देता है।



Face to Face Centres





NEWS IN BETWEEN THE LINES

गुरुत्वाकर्षण तरंगें



संदर्भ: हाल ही में वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड में गुरुत्वाकर्षण तरंगों के तरंगीय प्रभाव के संबंध में एक महत्वपूर्ण खोज की है।

गुरुत्वाकर्षण तरंगें:

गुरुत्वाकर्षण तरंगें स्पेस टाइम में सूक्ष्म तरंगें हैं जो ब्रह्मांड में विशाल वस्तुओं से बाहर की ओर फैलती हैं।

गुरुत्वीय तरंगों का निर्माण:

- वैज्ञानिकों के अनुसार, सुपरमैसिव ब्लैक होल, जो सूर्य के द्रव्यमान से अरबों गुना अधिक हो सकते हैं, इन गुरुत्वाकर्षण तरंगों को उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार हैं क्योंकि वे विलय से पहले एक दूसरे का चक्कर लगाते हैं।
- गुरुत्वाकर्षण तरंगें ब्रह्मांड में फैलती हैं, उन ब्रह्मांडीय घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं जिन्होंने उन्हें जन्म दिया है।

NANOGrav:

- NANOGrav नेशनल साइंस फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित एक फिजिक्स फ्रंटियर्स सेंटर है।
- इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के 190 से अधिक वैज्ञानिक शामिल हैं, जिनमें नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला और अन्य नासा केंद्रों के शोधकर्ता भी शामिल हैं।

पिछली खोजों का पूरक:

- पृष्ठभूमि लहरों (Background Ripples) की हालिया खोज लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल ऑब्जर्वेटरी (एलआईजीओ) द्वारा 2015 में गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहली खोज का पूरक है।
- जबकि पिछली खोज सूर्य के द्रव्यमान से लगभग 30 गुना बड़े ब्लैक होल से छोटी तरंग दैर्ध्य संकेतों पर केंद्रित थी, नई खोज बहुत बड़े सुपरमैसिव ब्लैक होल द्वारा उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

भावी रणनीति:

- नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के नेतृत्व में लेजर इंटरफेरोमीटर स्पेस एंटीना (LISA) मिशन में सक्रिय रूप से शामिल है।
- LISA एक अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला है जिसका उद्देश्य NANOGrav और LIGO द्वारा पता लगाए गए तरंग दैर्ध्य सीमा के भीतर गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाना है।

पीएम-प्रणाम योजना



संदर्भ: आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) ने हाल ही में पीएम-प्रणाम (धरती माता की उर्वरता की बहाली, जागरूकता, पोषण और सुधार हेतु प्रधानमंत्री कार्यक्रम) योजना को मंजूरी दे दी है।

क्या है पीएम-प्रणाम योजना?

- पीएम-प्रणाम योजना सतत कृषि को बढ़ावा देने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करने की दिशा में एक कदम है।
- वैकल्पिक उर्वरकों को अपनाने और जिम्मेदारीपूर्ण उर्वरक उपयोग को प्रोत्साहित करके, इस योजना का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा करना और कृषि क्षेत्र के दीर्घकालिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य:

पीएम-प्रणाम योजना का मुख्य उद्देश्य वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देकर और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करके उर्वरकों के संतुलित उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

वित्तीय तंत्र:

- पीएम-प्रणाम योजना को विभिन्न योजनाओं के तहत मौजूदा उर्वरक सब्सिडी से बचत के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा।
- सब्सिडी की बचत का आधा भाग राज्यों को अनुदान के रूप में दिया जाएगा।
- इस अनुदान का उपयोग गांव, ब्लॉक और जिला स्तर पर वैकल्पिक उर्वरकों को अपनाने और उत्पादन से संबंधित संपत्ति बनाने के लिए किया जा सकता है।

हितधारकों को पुरस्कृत और प्रोत्साहित करना:

शेष 30% अनुदान राशि का उपयोग उर्वरक के उपयोग को कम करने और संधारणीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने में शामिल किसानों, पंचायतों और अन्य हितधारकों को पुरस्कृत और प्रोत्साहित करने के लिए किया जाएगा।





किंग राजवंश (Qing Dynasty)



संदर्भ: हाल ही में एक पुरातात्विक उत्खनन के माध्यम से चीन के हेबेई प्रांत में किंग राजवंश के पांच रंगों वाले रेशम शाही शिलालेख की खोज की गई है।

किंग राजवंश:

- किंग राजवंश, जिसे चिंग राजवंश या मांचू राजवंश के नाम से भी जाना जाता है, चीन में अंतिम शाही राजवंश था, जिसने 1644 से 1912 तक शासन किया।
- हान के नेतृत्व वाले मिंग राजवंश (1368-1644) से पहले और चीन गणराज्य (1912-1949) के बाद, किंग राजवंश ने साम्राज्य के क्षेत्र का पर्याप्त विस्तार देखा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- 1600 के दशक की प्रारंभ में, उत्तरी चीन के मांचू लोगों ने सत्तारूढ़ मिंग राजवंश के खिलाफ एक एकीकृत मोर्चा बनाया।
- उनके सैन्य संगठन और शक्ति के कारण 1644 में चीन पर उनका सफल आक्रमण हुआ और किंग राजवंश की स्थापना हुई।
- पहले किंग सम्राट, पांच वर्षीय शुंझी सम्राट ने बीजिंग पर नियंत्रण कर लिया और राजवंश की शुरुआत की।

व्यापार एवं वाणिज्य:

किंग राजवंश ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एक प्रमुख भूमिका निभाई, विश्व के विभिन्न हिस्सों में चीनी मिट्टी के बरतन, कपड़ा, चाय, कागज, चीनी और स्टील का निर्यात किया।

पतन:

- 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान, सैन्य अभियानों ने सरकार के वित्तीय तंत्र को कमजोर कर दिया, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ गया।
- जनसंख्या दबाव और प्राकृतिक आपदाओं के साथ मिलकर, इन परिस्थितियों ने ओपियम युद्धों और ताइपिंग एवं निआन विद्रोहों में योगदान दिया।

समाचार में स्थान

तंजानिया

संदर्भ: हाल ही में, भारत और तंजानिया ने 29 जून, 2023 को अरुशा में अपनी दूसरी संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की बैठक संपन्न की। बैठक का उद्देश्य रक्षा सहयोग के कई पक्षों पर सहयोग और चर्चा को बढ़ावा देकर हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत करना था।

भौगोलिक अवस्थिति:

- तंजानिया अफ्रीका महाद्वीप के पूर्वी तट पर स्थित है। इसकी सीमा उत्तर में केन्या एवं युगांडा, पश्चिम में रवांडा, बुरुंडी एवं कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और दक्षिण में जाम्बिया, मलावी एवं मोजाम्बिक से लगती है।
- इसके पूर्व में हिंद महासागर के साथ एक समुद्र तट भी है।

राजधानी: तंजानिया की राजधानी डोडोमा है। हालाँकि, सबसे बड़ा शहर और प्रमुख आर्थिक केंद्र दारेस सलाम है, जो पूर्वी तट पर स्थित है।

प्रशासनिक संरचना: तंजानिया को ज़ांजीबार सहित 31 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिसकी अपनी अर्ध-स्वायत्त स्थिति है।

प्राकृतिक विशेषताएं:

- यह देश अपने विविधतापूर्ण भौगोलिक और प्राकृतिक स्थलों के लिए जाना जाता है।
- यह अफ्रीका के सबसे ऊंचे पर्वत, माउंट किलिमंजारो का घर है, जो देश के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित है।
- तंजानिया में प्रसिद्ध सेरेन्गेटी राष्ट्रीय उद्यान, नोरोंगोरो संरक्षण क्षेत्र और ज़ांजीबार द्वीप भी हैं, जो दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

भाषाएँ:

- तंजानिया की आधिकारिक भाषाएँ स्वाहिली और अंग्रेजी हैं।
- स्वाहिली, जिसे किस्वाहिली के नाम से भी जाना जाता है, व्यापक रूप से बोली जाती है और विभिन्न नृजातीय समूहों के बीच संचार के लिए एक भाषा के रूप में कार्य करती है।

